IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 6, June 2025
Impact Factor: 7.67

अश्वनी कुमार पाठक की बाल कविताओं में हास्य-व्यंग्य की भूमिका

रीतु[1] और डॉ. कविता चौधरी[2]

शोधार्थी, हिन्दी विभाग[1]

सह आचार्य, हिन्दी विभाग[2]

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा

सारांश

अश्वनी कुमार पाठक की बाल कविताएँ रूप, भाषा और विचारों के संयोजन से व्यवस्थागत रूप से बच्चों की संवेदनाओं को छेड़ती हैं। इन कविताओं में हास्य-व्यंग्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि सामाजिक शिक्षण, नैतिकता का संप्रेषण और बच्चों में आलोचनात्मक सोच जगाने का उपकरण भी बनकर उभरता है। यह समीक्षा-प्रबंध पाठक की बाल काव्य रचना में हास्य और व्यंग्य की शैलियों, तकनीकों, लक्षित विषयों तथा उनके शैक्षिक और समाजशास्त्रीय परिणामों का विश्लेषण करता है। उद्देश्य यह समझना है कि कैसे हास्य-व्यंग्य बच्चों में संवेदनशीलता, समालोचनात्मक दृष्टि और सामूहिक मूल्यों के प्रति जागृति पैदा करते हैं और पाठक की कलात्मक निष्पादनशैली इस प्रक्रिया को कैसे सुदृढ़ करती है।

मुख्य संकेतक: - अश्वनी कुमार पाठक, बाल कविताएँ, हास्य, व्यंग्य, बाल साहित्य।